

B.A. Part-III (Hons.) Examination, 2020

Subject : SANSKRIT

PAPER : VII

(New & Old Syllabus)

Time : 2 Hours.

Full Marks : 50

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामम् षट् प्रश्नाः समाधेयाः। तेषु प्रश्नद्वयं सुरगिरा अवश्यमेव लेखनीयम्। 5 x 6 = 30
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। দুটির উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।)
 - क) मातृभाषायामनुवाद (मातृभाषाय अनुवाद कर।)
যৌবনারম্ভে চ প্রায়ঃ শাস্ত্রজলপ্রক্ষালননির্মলাপি কালুয্যমুপযাতি বুদ্ধিঃ। অনুজ্জিতধ্বলতাপি সরাগৈব ভবতি যুনাং দৃষ্টিঃ।
অপহরতি চ বাত্যেব শুক্লপত্রং সমুদ্ভূতরজোভ্রান্তিরতিদূরমাভ্লেচ্ছয়া যৌবনসময়ে পুরুষং প্রকৃতিঃ।
 - ख) व्याख्यानताम् (व्याख्या कर।)
ইন্দ্রিয়হরিণহারিণী চ সততমতিদূরন্তেয়মুপভোগমুগতৃষ্ণিকা।
 - ग) भावं विस्तारयतु (भावविस्तार कर।)
অতিগহনং তমো যৌবনপ্রভবম্।
 - घ) व्याख्या करणीया (व्याख्या कर।)
কুলং দহতি রাজাগ্নিঃ সপশুদ্রব্যসঞ্চয়ম্।
 - ङ) अनूद्य विशदीक्रियताम् (अनुवाद करे विषयটি পরিষ্কার কর।)
দূতমুখা বৈ রাজানস্বং চান্যে চ। তস্মাদুদ্ধতেষপি শস্ত্রেষু যথোক্তং বক্তারস্তেষামস্তেহবসানিয়োঃ প্যবধ্যঃ।
কিমঙ্গ পুনর্রান্নাং।
 - च) टीका लेखनीया (टीका लेख)
কৃত্যাকৃত্যপক্ষঃ, পাৰ্বিঃগ্রাহাসারৌ।
 - छ) रुद्रदान्नं राज्यविस्तारमालोचयतु।
(রুদ্রদামার রাজ্যবিস্তার আলোচনা কর।)
 - ज) मनुसंहितानुसारतः सचिवस्य गुणान् वर्णयतु।
(মনুসংহিতা অনুযায়ী সচিবের গুণসমূহ বর্ণনা কর।)
2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु द्वौप्रश्नौ समाधेयो। (नीचेर ये-कोनो दुटि प्रश्नेर उतर दाओ। 10 x 2 = 20
 - क) चन्द्रापीडं प्रति शुकनासस्योपदेशः सरलसंस्कृतेन लिख्यताम्। (चन्द्रापीडके देওয়া शुकनासेर उपदेश सरलसंस्कृते लेख।)
 - ख) रुद्रदान्नं गुणान् आलोचयतु। (रुद्रदामार गुणावलीर परिचय दाओ।)
 - ग) मनुमनुसृत्य व्यसनमालोचयताम्। (मनुर अनुसरणे व्यसन आलोचना कर।)
 - घ) अमात्यनियोगविषये पूर्वाचार्याणां मतसमूहम् उल्लिख्य आचार्यकौटिल्यस्य मतमालोचयताम्।
(अमात्यनियोगविषये पूर्वाचार्यगणेर मतগুলि उल्लेख करे आचार्य कौटिल्येर मत आलोचना कर।)